Realisation of excise duty From M/s. ITC Ltd.

630. SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK: Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that Government have issued show cause notice to M/s India Tobacco Company Limited against which huge amount of excise duty is pending realisation since 1971-72.

(b) what is the amount of excise duty realised during the year 1984-85 and 1985-86;

(c) what is the amount of excise duty which is still pending realisation; and

(d) what action Government have taken for its realisation ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI JANARDHAN POOJARI): (a) to (d) The information is being collected and will be laid on the table of the House.

Evasion of excise duty by M/s Godfrey Phillips (India) Ltd.

631. SHRI MUKHTIAR SINGH MALIK: Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that M/s Godfrey Phillips (India) Ltd. New Delhi, a cigarette manufacturing company has been evading excise duty for the last so many years ;

(b) if so, whether any show cause notice has been issued to company in this behalf; and

(c) if the answer to part (b) above be in the affirmative what is the outcome thereof ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI JANARDHAN POOJARI): (a) Information available with the Government does not indicate that the company has been evading excise duty for the last many years.

(b) and (c) Do not arise.

सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया भोपाल द्वारा स्वीकृत ऋण

632. श्री प्यारेलाल खंडेलवाल : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले चार वर्षों के दौरान सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया, भोपाल के उपमहाप्रबन्धक द्वारा 10 लाख रुपये से अधिक के कितने ऋण स्वीकृत किये गये और उनमें से आज की स्थिति में कितने मामले वसूली के लिये संदिग्ध हो गये हैं ; और

(ख) उक्त उपमहाप्रबन्धक द्वारा उसकी अम्बाला तथा चेंडीगढ़ में पूर्व तैनाती के दौरान बड़ी राशि के कितने ऋण स्वीकृत किये गये थे और उनमें से अब तक ऐसे कितने ऋणों की राशि बट्टे-खाते में डाल दी गयी है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनार्दन पुजारी) : (क) सैंट्रल बैंक आफ इंडिया ने सूचित किया है कि भोपाल में बैंक के वर्तमान उपमहाप्रबन्धक जून 1982 से वहां पर हैं और दिनांक पहली फरवरी, 1985 से उन्हें उपमहाप्रबन्धक के रूप में पदोन्नत किया गया है । बैंक के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार उक्त उपमहाप्रबन्धक द्वारा दिनांक 18 अक्तूबर, 1984 से अब तक कुल 12 मामले मंजूर किए गए हैं । इन में से इस समय कोई भी मामला अशोध्य या संदिग्ध नहीं हुआ है ।

(ख) यथा उपलब्ध सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी ।